गौरा मैया की भोले से सिकात है

गौरा मैया की भोले से सिकात है
तेरी भांग अब न घोटी जात है,

घोटत घोटत दुखे हाथ भांग घुटावे तू दिन रात भोले सुन ले मेरी बात,
गई मायके तो लौट के न आत है
तेरी भांग अब न घोटी जात है,

गोरा करे क्यों तकरार झगडा तेरा है बेकार
भांग में धोटत थोडा प्यार
तू पिला दे तो मजा आई जात है,
मेरी क्यों न घोटी जात है

अरे बात बात पे मांगे भांग लेली तूने मेरी जान
विक जावे गा घर ये मकान
अपनी अमा से करनी शिकायात है तेरी भांग अब न घोटी जात है

मान ली गोरा तोरी बात ना करियो तू मोरी शिकायत
कान पकड़ के जोडू हाथ मनोज पागल भी गोरा जी के साथ है
तेरी भांग अब न घोटी जात है,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20917/title/gora-maiya-ki-bhole-se-sikat-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |